दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
उच्च शिक्षा और शोध संस्थान
दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

दिनांकः 09.06.2015
Time: 10.00 am to 01.00 pm

बी.ए. (तृतीय वर्ष)

पूर्णांकः75

समाजशास्त्र (वैकल्पिक) **प्रश्न पत्र-3**
समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य एवं भारत में सामाजिक आन्दोलन

I. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **02x15=30**

1. ऑगस्त कॉम्ट के जीवन परिचय देते हुए उनके सामाजिक पुनःनिर्माण के आधार को स्पष्ट कीजिए ।
1. वेबर के आदर्श प्रारूप की अवधारणा को विस्तार से लिखिए।
3. टॉलकॉट पारसन्स द्वारा प्रस्तुत प्रकार्यवाद की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए।
4. सामाजिक तथ्य क्या है? प्रकारों के साथ स्पष्ट कीजिए।

II. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **04x7½=30**

1. भारत में हुए महिला आन्दोलन की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए ।
2. पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा किये गए प्रयासों का वर्णन कीजिए।
3. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की विभिन्न अवस्थाओं पर प्रकाश डालिए।
4. जनजातीय आन्दोलन के प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिए।
5. भारत में हुए सुधार आन्दोलनों के दो युगों का वर्णन कीजिए।
6. प्रत्यक्षवाद का अर्थ बताकर उसकी विशेषताएँ लिखिए।
7. भौतिक उद्विकास का सिद्धांत स्पष्ट कीजिए।
8. आदर्श प्रारूप की विशेषताएँ लिखिए।

III. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : **03x05=15**

1. पुनर्जीवन का सिद्धात – ए.एफ.सी. वैलस
2. नील स्मेल्सर द्वारा प्रस्तुत संरचनात्मक तनाव का सिद्धांत।
3. ब्रम्हसमाज का योगदान।
4. स्वामी दयानन्द का दर्शन।
5. राष्ट्र के प्रमुख तत्व।
6. भारत छोड़ो आन्दोलन (अगस्त क्रांन्ति)।

———————